Total No. of Printed Pages—4

4 SEM TDC HINH (CBCS) C 9

2025

(May/June)

HINDI

(Core)

DIBRU COLLEGE CENTRAL LIBRARY
ESTD-1963
DIBRUGARH

Paper : C–9

(हिन्दी उपन्यास)

Full Marks : 80

Pass Marks : 32

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×8=8

(क) जालपा की शादी किससे हुई थी?

(ख) रमेश बाबू किस विभाग में हेड क्लर्क थे?

(ग) 'त्यागपत्र' उपन्यास की कथा कौन कहता है?

(घ) 'त्यागपत्र' उपन्यास की नायिका कौन है?

(ङ) 'महाभोज' की कथा किस गाँव पर आधारित है?

(च) 'महाभोज' उपन्यास में कौन-सा पात्र भूतपूर्व मुख्यमंत्री है?

(छ) 'मानस का हंस' उपन्यास कहाँ लिखा गया था?

(ज) 'मानस का हंस' उपन्यास का प्रकाशन कब हुआ था?

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×4=32

(क) वह लालसा जो आज सात वर्ष हुए, उसके हृदय में अंकुरित हुई थी, जो इस समय पुष्प और पल्लव से लदी खड़ी थी, उस पर वज्रपात हो गया। वह हरा-भरा लहलहाता हुआ पौधा जल गया—केवल उसकी राख रह गई।

DIBRU COLLEGE CENTRAL LIBRARY ESTD-1963 DIBRUGARH

अथवा

हम क्षणिक मोह और संकोच में पड़कर अपने जीवन के सुख और शान्ति का कैसे होम कर देते हैं। अगर जालपा मोह के इस झोंके में अपने को स्थिर रख सकती, अगर रमा संकोच के आगे सिर न झुका देता, दोनों के हृदय में प्रेम का सच्चा प्रकाश होता, तो वे पथ-भ्रष्ट होकर सर्वनाश की ओर न जाते।

(ख) मेरा मन रह-रहकर त्रास से भर आता है। समाज की जिस मान्यता पर मैं ऊँचा उठा हुआ खड़ा हूँ, वह स्वयं किसके बलिदान पर खड़ी है, इस बात को जितना ही समझकर देखता हूँ, उतना ही मन तिरस्कार और ग्लानि से घिर जाता है। पर क्या करूँ?

अथवा

नहीं भाई, पाप-पुण्य की समीक्षा मुझसे न होगी। जज हूँ, कानून की तराजू की मर्यादा जानता हूँ। पर उस तराजू की जरूरत को भी जानता हूँ। इसलिए कहता हूँ कि जिनके ऊपर राई-रत्ती नाप-जोखकर पापी को पापी कहकर व्यवस्था देने का दायित्व है, वे अपनी जानें। मेरे बस का वह काम नहीं है।

(ग) विषय चिंतनीय नहीं है मित्र। अपने उस दिन के शुभ शकुनों का ध्यान करो जिस दिन तुम इस मिथ्या मोहपाश से नियति के द्वारा जकड़े गए थे। तुम्हारा भविष्य बहुत उज्ज्वल है।

अथवा

आपकी कुठरिया तो महाराज हमारे घर में अब दरशन का अस्थान बन गई है। रामनौमी को भीड़ की भीड़ आती है। आपकी चौकी, पूजा का आसन, पंचपात्र, सब जहाँ का तहाँ धरा है।

(घ) केवल नाराज ही नहीं, लड़ता था बाकायदा हमसे कि आप से पढ़े-लिखे लोग खाली तमाशबीन ही बनकर बैठे रहेंगे तो इन गरीबों की लड़ाई कौन लड़ेगा? जहाँ दिन-दहाड़े इतना जुलुम होता हो, वहाँ कोई कैसे अलग-थलग बैठकर खाली कागज पोतता रह सकता है।

अथवा

आत्मा के साथ बलात्कार करने की व्यथा क्या होती है, यह इन दिनों में ही जाना है लोचन भैया ने! देश की गरीब जनता के प्रति पूरी तरह समर्पित उनका व्यक्तित्व उनके अपने लिए एक भारी समस्या बन गया है।

DIBRU COLLEGE CENTRAL LIBRARY ESTD-1963 DIBRUGARH

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×4=40

(क) "'गबन' उपन्यास में प्रेमचन्द के जीवन-दर्शन का प्रतिपादन हुआ है।" इस कथन की मीमांसा कीजिए।

(ख) 'जालपा' का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) उपन्यास-कला के आधार पर जैनेन्द्रकृत उपन्यास 'त्यागपत्र' का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) 'त्यागपत्र' उपन्यास के किसी एक प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) 'महाभोज' के पात्र दा साहब के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए।

(च) 'महाभोज' उपन्यास में मन्नू भंडारी के कथाशिल्प-कौशल का मूल्यांकन कीजिए।

(छ) 'मानस का हंस' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

(ज) "रत्नावली का चरित्र आदर्श भारतीय नारी का प्रतिबिम्ब है।" पाठ में आए घटनाक्रम के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

★★★